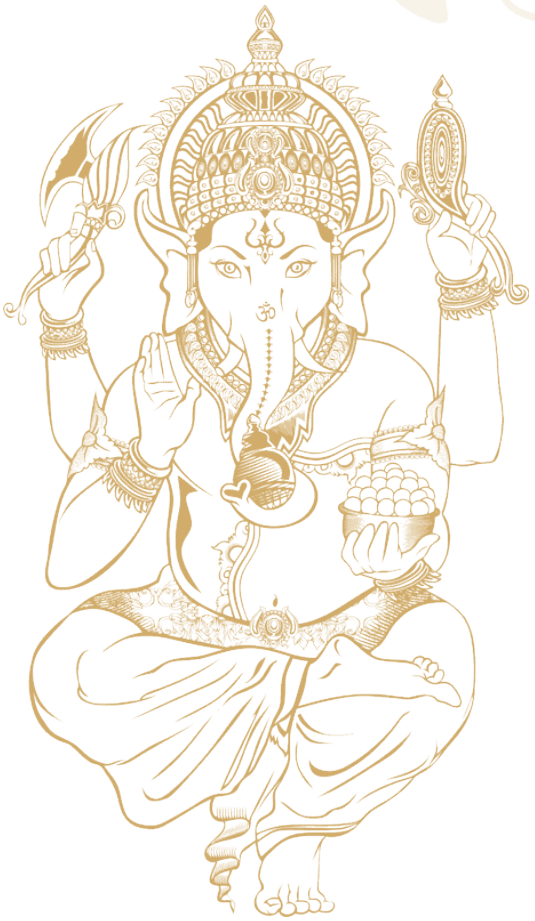

Aditya vats

28 Aug 1993

05:15 AM

Bettiah

Model: web-freekundliweb

Order No: 121315102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/08/1993**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**05:15:00 घंटे**
इष्ट	59:24:35 घटी
स्थान	**Bettiah**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:49:00 उत्तर
रेखांश	84:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:08:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:23:00 घंटे
वेलान्तर	-00:01:34 घंटे
साम्पातिक काल	03:47:51 घंटे
सूर्योदय	05:29:09 घंटे
सूर्यास्त	18:17:25 घंटे
दिनमान	12:48:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:55:36 सिंह
लग्न के अंश	06:53:53 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	आयुष्मान
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	06:53:53	316:35:42	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			सिंह	10:55:36	00:57:56	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	24:13:54	12:38:15	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	16:22:41	00:38:40	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	09:34:55	01:58:13	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			कन्या	20:35:56	00:11:19	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	06:37:12	01:11:13	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	02:34:47	00:04:27	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	14:30:57	00:06:02	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	14:30:57	00:06:02	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		धनु	24:49:50	00:01:25	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	24:53:30	00:01:00	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:07:36	00:00:51	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			वृष	05:24:29	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:23

लग्न-चलित

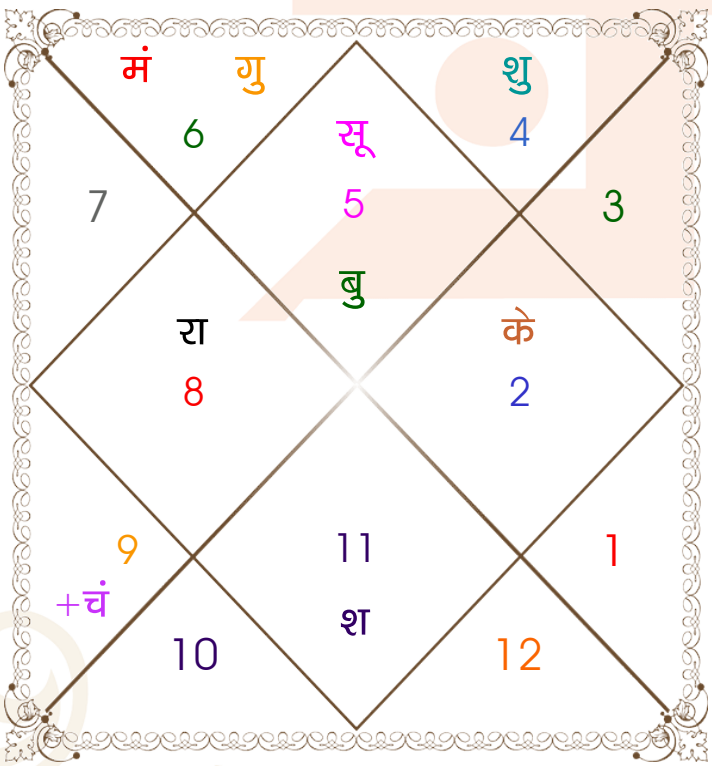

चन्द्र कुंडली

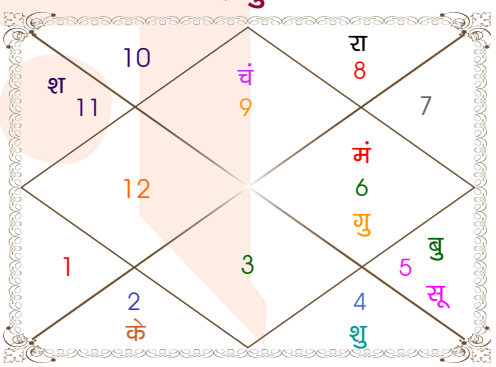

नवमांश कुंडली

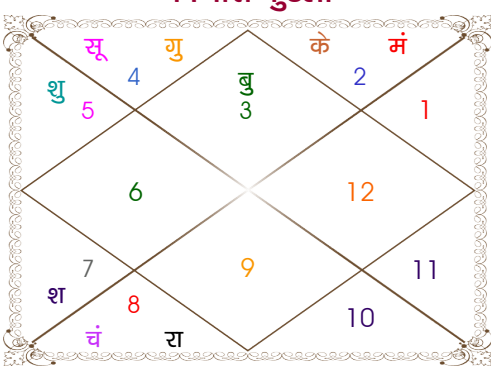

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 7 मास 25 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/08/1993		23/04/1997		23/04/2003		23/04/2013		23/04/2020	
23/04/1997		23/04/2003		23/04/2013		23/04/2020		23/04/2038	
	00/00/0000	सूर्य	10/08/1997	चंद्र	22/02/2004	मंगल	19/09/2013	राहु	04/01/2023
	00/00/0000	चंद्र	09/02/1998	मंगल	22/09/2004	राहु	07/10/2014	गुरु	29/05/2025
	00/00/0000	मंगल	17/06/1998	राहु	24/03/2006	गुरु	13/09/2015	शनि	04/04/2028
	00/00/0000	राहु	12/05/1999	गुरु	24/07/2007	शनि	22/10/2016	बुध	23/10/2030
	00/00/0000	गुरु	28/02/2000	शनि	21/02/2009	बुध	19/10/2017	केतु	10/11/2031
	00/00/0000	शनि	09/02/2001	बुध	23/07/2010	केतु	18/03/2018	शुक्र	10/11/2034
	28/08/1993	बुध	16/12/2001	केतु	21/02/2011	शुक्र	18/05/2019	सूर्य	05/10/2035
बुध	22/02/1996	केतु	23/04/2002	शुक्र	22/10/2012	सूर्य	23/09/2019	चंद्र	05/04/2037
केतु	23/04/1997	शुक्र	23/04/2003	सूर्य	23/04/2013	चंद्र	23/04/2020	मंगल	23/04/2038

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/04/2038		23/04/2054		23/04/2073		23/04/2090		23/04/2097	
23/04/2054		23/04/2073		23/04/2090		23/04/2097		00/00/0000	
गुरु	10/06/2040	शनि	26/04/2057	बुध	19/09/2075	केतु	19/09/2090	शुक्र	23/08/2100
शनि	23/12/2042	बुध	04/01/2060	केतु	16/09/2076	शुक्र	19/11/2091	सूर्य	24/08/2101
बुध	29/03/2045	केतु	12/02/2061	शुक्र	18/07/2079	सूर्य	26/03/2092	चंद्र	24/04/2103
केतु	05/03/2046	शुक्र	13/04/2064	सूर्य	23/05/2080	चंद्र	25/10/2092	मंगल	23/06/2104
शुक्र	03/11/2048	सूर्य	26/03/2065	चंद्र	22/10/2081	मंगल	23/03/2093	राहु	24/06/2107
सूर्य	23/08/2049	चंद्र	26/10/2066	मंगल	20/10/2082	राहु	11/04/2094	गुरु	22/02/2110
चंद्र	23/12/2050	मंगल	05/12/2067	राहु	08/05/2085	गुरु	18/03/2095	शनि	24/04/2113
मंगल	28/11/2051	राहु	11/10/2070	गुरु	14/08/2087	शनि	26/04/2096	बुध	29/08/2113
राहु	23/04/2054	गुरु	23/04/2073	शनि	23/04/2090	बुध	23/04/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 8 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।